Entrepreneurship Development Institute of India, Ahmedabad

# Project Udaya by EDII: Weaving Dreams into Entrepreneurial Realities

Entrepreneurship
Development
Institute of India,
Ahmedabad

# Press Release

# Project Udaya by EDII: Weaving Dreams into Entrepreneurial Realities

## The Landscape of Possibility

A quiet transformation is taking place in the green districts of Pune, Raigad, and Ratnagiri. **Led by the Entrepreneurship Development Institute of India (EDII)** and **supported by TATA Communications Ltd**., Project Udaya is rewriting the narratives of marginalised women, persons with disabilities (PwDs), and weaker sections of society by equipping them with the tools to become independent entrepreneurs.

At its core, Udaya was born from a fundamental belief: entrepreneurship is not a privilege but a fundamental right. The project's architects understood that true empowerment goes beyond training—it requires a holistic approach that addresses systemic challenges while nurturing individual potential.

### The Architecture of Empowerment

The journey begins with **Entrepreneurship Awareness Camps (EACs)**—one-day immersive experiences that do more than inform; they inspire. These camps are carefully designed crucibles where dormant dreams are awakened. By introducing participants to viable business opportunities and government support schemes, Udaya transforms abstract possibilities into tangible pathways. Since its inception, these camps have reached 5,915 women and PwDs, each session meticulously crafted to challenge existing limitations and expand horizons, touching 10,000+ lives in Pune, Raigad, and Ratnagiri districts.

Building on this foundation, Udaya transitions participants into the **Women Entrepreneurship Development Programmes (WEDPs)**—customized training sessions designed to convert entrepreneurial aspirations into actionable skills. More than 1,400 women have been trained under WEDPs, gaining the knowledge to navigate business environments, evaluate opportunities, and establish successful enterprises. These programs emphasise practical learning, covering areas such as opportunity identification, financial management, marketing strategies, and entrepreneurial resilience.

## Uma's Journey: A Microcosm of Potential

To truly understand Udaya's impact, one must look beyond statistics and into individual stories. Consider Uma—a high school graduate whose entrepreneurial dreams had been repeatedly thwarted.

When Uma enrolled in the Women Entrepreneurship Development Programme (WEDP) in Karanjade, Raigad, she was not just attending another training session. She was stepping into a transformative space designed to convert her aspirations into actionable strategies.

With targeted mentorship and hands-on training, Uma gained more than skills—she discovered confidence. Her venture, "Nutilock Premix," specialising in dehydrated vegetable and fruit products, emerged from this crucible of learning. An initial investment of INR 13 lakh blossomed into a monthly income of INR 50,000, with plans for further diversification.

Uma's story is not unique but emblematic—a testament to Udaya's philosophy that with the right support, any dream is achievable.

## Beyond Training: A Comprehensive Ecosystem

Udaya's brilliance lies in its comprehensive approach. Training is merely the beginning. The project provides a robust support framework that includes:

1. Mentorship Programs
2. Access to Government Funding Schemes (PMEGP and CMEGP)
3. B2B Workshop Opportunities

4. Exhibition Platforms like "Swayamsidha"

The Swayamsidha Exhibitions in Raigad exemplify this approach. Showcasing products from 96 women entrepreneurs, these exhibitions attracted over 100,000 visitors and generated an average income of INR 20,500 per participant.

### Quantifying Impact: More Than Just Numbers

The project's achievements are profound:

- **600+ microenterprises established**, creating pathways for self-reliance.
- **800+ jobs generated**, directly benefiting local communities.
- **86% of beneficiaries reported improved living standards**, showcasing transformative outcomes.
- Entrepreneurs' **average monthly income rose above INR 10,000**, with **average investment per unit exceeding INR 1 lakh**.
- Over **100 previously non-earning family members** now contribute to household incomes

Notably, **70% of beneficiaries come from affirmative action communities** (SC/ST women), addressing historical economic disparities.

### The Ambassador Effect: Ripple of Empowerment

The Ambassador Programmes represent an innovative multiplication strategy. By providing **advanced training to 65 women entrepreneurs**, Udaya has created a network capable of inspiring and **mobilising over 3,000 additional women** in their communities.

### Future Horizons: Scaling Transformation

As Udaya enters its third phase, the initiative is expanding with the following strategic priorities:

- Geographical Expansion: Northeastern states of Assam and Meghalaya
- Rural Incubation Centers focusing on green enterprises in Maharashtra and the North Eastern Region
- A dedicated e-commerce platform for UDAYA beneficiaries
- Enhanced focus on PwD inclusivity

### A Movement, Not Just a Project

Udaya transcends traditional development models. It represents a nuanced understanding that economic independence is intrinsically linked to social equity. By creating entrepreneurs, the project is fundamentally redesigning societal structures.

This is a movement where marginalisation transforms into market opportunity, where individual potential becomes collective progress.

**भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान द्वारा प्रोजेक्ट उदया : उद्यमिता के सपनों को कर रहा साकार**

पुणे, रायगढ़ और रत्नागिरी ज़िलों में उल्लेखनीय बदलाव हो रहा हैं। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान के नेतृत्व में टाटा कम्युनिकेशन्स लिमिटेड द्वारा समर्थित प्रोजेक्ट उदया समाज के हाशिए पर रहने वाली महिलाओं, दिव्यागों और समाज के कमज़ोर वर्गों को स्वतन्त्र उद्यमी बनने के लिए ज़रूरी सहयोग प्रदान कर रहा रहा है।

प्रोजेक्ट उदया की शुरूआत एक बुनियादी सिद्धान्त के साथ की गई थी। उद्यमिता कोई विशेषाधिकार नहीं बल्कि मौलिक अधिकार है। सशक्तीकरण का दायरा प्रशिक्षण से बढ़कर है- इसी सोच के साथ पेश किया गया यह प्रोजेक्ट व्यक्तिगत क्षमता को बढ़ावा देते हुए चुनौतियों को हल करता है।

इस यात्रा की शुरूआत एंटरेप्रेन्योरशिप अवेयरनैस कैम्प के साथ होती है- एक दिवसीय अनुभव जो केवल जानकारी प्रदान नहीं करते,बल्कि प्रेरित भी करते हैं। ये कैम्प युवाओं के सपनों को जाग्रत करने के हेतु से डिजाइन किया गया हैं। प्रतिभागियों को कारोबार के अवसरों, सरकार की समर्थन योजनाओं के बारे में जानकारी देकर प्रोजेक्ट उदया उनके लिए संभावनाओं के मार्ग प्रशस्त करता हैं। शुरुआत से लेकर अब तक, इन शिविरों ने **5,915** महिलाओं और दिव्यांगों तक पहुंच बनाई है, हर सत्र मौजूदा सीमाओं को दूर कर संभावनाओं का विस्तार करता है।, जिससे पुणे, रायगढ़ और रत्नागिरी जिलों में **10,000** से अधिक लोगों के जीवन को प्रभावित कर चुके हैं।

इस बुनियाद पर निर्माण प्रोजेक्ट उदया प्रतिभागियों को महिला उद्यमिता विकास कार्यक्रमों **(WEDPs)** के साथ जोड़ता है –विशिष्ट प्रशिक्षण सत्र जो उद्यमिता की आकांक्षाओं को व्यावहारिक कौशल में बदलने के लिए तैयार किए गए हैं। डब्ल्यूईडीपी के तहत **1,400** से अधिक महिलाओं को प्रशिक्षित किया गया है, जिससे उन्हें व्यापारिक माहौल को समझने, अवसरों का मूल्यांकन करने और सफल उद्यम स्थापित करने का ज्ञान प्राप्त हुआ है। ये कार्यक्रम व्यावहारिक शिक्षा पर जोर देते हैं, अवसर की पहचान, वित्तीय प्रबंधन, मार्केटिंग की रणनीतियों और उद्यमिता से जुडे क्षेत्रों को कवर करता है।

प्रोजेक्ट उदया के प्रभाव को सही मायने में समझने के लिए, हमें आंकड़ों से परे जाकर व्यक्तिगत कहानियों पर ध्यान देना होगा। तो आइए बात करते हैं, उमा–हाई स्कूल स्नातक, जिनके उद्यमिता के सपनों को बार-बार बाधाओं का सामना करना पड़ा।

जब उमा ने रायगढ़ के करंजड़े में महिला उद्यमिता विकास कार्यक्रम **(WEDP)** में शामिल हुई, तो यह उनके लिए सिर्फ एक प्रशिक्षण सत्र ही नहीं था। वह एक ऐसे परिवर्तनकारी स्थान में कदम रख रही थीं, जिसने उनके सपनों को सक्रिय योजनाओं में बदल कर रख दिया।

उचित मार्गदर्शन और व्यवहारिक प्रशिक्षण के साथ, उमा ने सिर्फ कौशल ही नहीं पाया–उन्होंने आत्मविश्वास भी हासिल किया। उनका उद्यम 'न्युटिलॉक प्रीमिक्स' जो डीहाइड्रेटेड सब्ज़ियों और फलों के प्रोडक्ट्स में काम करता है। **13** लाख

रुपये के शुरूआती निवेश के बाद वह **50,000** रुपये मासिक आय कमा लेती हैं, और भविष्य में विस्तार की योजनाएं बना रही है।

उमा की कहानी अद्वितीय नहीं है, बल्कि प्रतीकात्मक है–यह प्रोजेक्ट उदया के सिद्धांत का प्रमाण है कि सही समर्थन के साथ, कोई भी सपना हासिल किया जा सकता है।

प्रोजेक्ट उदया की खासियत इसके व्यापक दृष्टिकोण में निहित है। प्रशिक्षण तो मात्र एक शुरूआत है। यह परियोजना प्रतिभागियों को ज़रूरी सहयोग उपलब्ध कराती है, जिसमें शामिल हैः मेंटरशिप प्रोग्राम, सरकारी वित्तिय योजनाओ का एक्सेस (पीएमईजीपी और सीएमईजीपी), B2B वर्कशोप के अवसर, प्रदर्शनी प्लेटफॉर्म जैसे 'स्वयंसिद्ध'।

रायगढ़ में स्वयंसिद्ध प्रदर्शनी इसी दृष्टिकोण पर आधारित है। इस प्रदर्शनी में 96 महिला उद्यमियों के उत्पादों को दर्शाया गया, 100,000 से अधिक विजिटर पहुंचे और हर प्रतिभागी ने औसतन रु 20,500 की आय उपार्जित की।

परियोजना की उपलब्धियों में शामिल हैं: 600 से अधिक लघु उद्यम स्थापित किए गए, जिन्होंने आत्मनिर्भरता का मार्ग प्रशस्त किया; 800 से अधिक नौकरियां उत्पन्न हुईं, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को लाभ मिला; 86 फीसदी लाभार्थियों के जीवनस्तर में सुधार आया, जो परियोजना के बदलावकारी परिणाम को दर्शाता है; उद्यमियों की औसत मासिक आय रु. 10,000 से अधिक पहुंच गई और प्रति युनिट औसत निवेश रु 1 लाख को पार कर गया; 100 से अधिक सदस्य जो पहले नहीं कमाते थे, वे आज परिवार की आय में योगदान दे रहे हैं। अफरमेटिव एक्शन कम्युनिटीज़ (एससी/एसटी महिलाओं) से तकरीबन 70 फीसदी लाभार्थियों की आर्थिक समस्याएं हल हुई हैं।

अंबेसडर प्रोग्राम आधुनिक गुणात्मक रणनीति को दर्शाता है। 65 महिला उद्यमियों को आधुनिक प्रशिक्षण प्रदान करके, प्रोजेक्ट उदया ने एक ऐसा नेटवर्क तैयार किया है, जो अपने समुदायों में 3,000 से अधिक महिलाओं को प्रेरित करने और संगठित करने में सक्षम है।

प्रोजेक्ट उदया अपने तीसरे चरण में प्रवेश कर रहा है, यह पहल अन्य प्राथमिकताओं के साथ विस्तारित हो रही हैः जिसमे भौगोलिक विस्तारः असम और मेघालय के उत्तर-पूर्वी राज्य, ग्रामीण इन्क्युबेशन सेंटर जो महाराष्ट्र और उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में हरित उद्यमों पर ध्यान केन्द्रित करते हैं, प्रोजेक्ट उदया के लाभार्थियों के लिए समर्पित ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म, दिव्यांगों के समावेशन पर ज़्यादा फोकस शामिल है।

प्रोजेक्ट उदया विकास के पाम्परिक मॉडलों से परे है। यह आर्थिक स्वतन्त्रता के माध्यम से सामाजिक स्तर पर समानता को प्रोत्साहित करता है। उद्यमियों का निर्माण कर यह परियोजना सामाजिक संरचना में नया बदलाव ला रही है।

यह एक ऐसा आंदोलन है, जहां हाशिए पर मौजूद लोगों की समस्याएं को अवसरों में बदल देता हैं, और व्यक्तिगत क्षमता सामुहिक प्रगति के रूप में उभरती है।

**EDII દ્વારા પ્રોજેક્ટ ઉદયા : ઉદ્યોગસાહસિકતાના સપનાને કરી રહી છે સાકાર**

પુણે, રાયગઢ અને રત્નાગીરી જિલ્લાઓમાં નોંધપાત્ર પરિવર્તન થઈ રહ્યા છે. આંત્રપ્રિન્યોરશિપ ડેવલપમેન્ટ ઇન્સ્ટિટ્યૂટ ઑફ ઇન્ડિયા (EDII) ની આગેવાની હેઠળ અને ટાટા કોમ્યુનિકેશન્સ લિમિટેડ દ્વારા સમર્થિત પ્રોજેક્ટ ઉદયા હાંસિયામાં ધકેલાય ગયેલી મહિલાઓ, દિવ્યાંગ વ્યક્તિઓ (PwDs) અને સમાજના નબળા વર્ગોને સ્વતંત્ર ઉદ્યોગસાહસિક બનાવવા માટે સાધનો પુરા પાડી રહ્યું છે.

પ્રોજેક્ટ ઉદયાની શરૂઆત મૂળભૂત સિદ્ધાંત સાથે કરવામાં આવી હતી. ઉદ્યોગસાહસિકતા એક વિશેષાધિકાર નથી પણ મૂળભૂત અધિકાર છે. સશક્તિકરણની હદ તાલીમથી વધીને છે-આ વિચારને ધ્યાનમાં રાખીને આ પ્રોજેક્ટ શરુ કરવામાં આવ્યો જે વ્યક્તિગત ક્ષમતાને પ્રોત્સાહિત કરીને પડકારોનું સમાધાન કરે છે.

આ યાત્રાની શરૂઆત સાહસિકતા જાગૃતિ શિબિરોથી શરૂ થઇ—એક દિવસીય અનુભવો જે માહિતી કરતાં વધુ પ્રદાન છે; તેઓ પ્રેરણા આપે છે. આ શિબિરો કાળજીપૂર્વક તૈયાર કરાય છે જ્યાં નિષ્ક્રિય સપનાને જાગૃત કરાય છે. સહભાગીઓને વ્યવસાયિક તકો અને સરકારી સહાયક યોજનાઓથી પરિચિત કરાવીને, પ્રોજેક્ટ ઉદયા અમૂર્ત શક્યતાઓને મૂર્ત માર્ગોમાં પરિવર્તિત કરે છે. શરૂઆતથી લઇ અત્યાર સુધી આ શિબિરો 5,915 મહિલાઓ અને દિવ્યાંગો સુધી પહોંચી ચૂકી છે, દરેક સત્ર વર્તમાન મર્યાદાઓને પડકારવા અને ક્ષિતિજને વિસ્તૃત કરવા માટે કાળજીપૂર્વક તૈયાર કરાય છે, જેને પુણે, રાયગઢ અને રત્નાગિરી જિલ્લામાં 10,000થી વધુ લોકોના જીવનને પ્રભાવિત કર્યા છે.

આ આધાર પર નિર્મિત પ્રોજેક્ટ ઉદયા સહભાગીઓને વુમન એન્ટરપ્રેન્યોરશિપ ડેવલપમેન્ટ પ્રોગ્રામ્સ (WEDPs) સાથે જોડે છે - તાલીમ સત્ર જે ઉદ્યોગસાહસિકની આકાંક્ષાઓને કાર્યક્ષમ કૌશલ્યોમાં રૂપાંતરિત કરવા માટે તૈયાર કરવામાં આવ્યા છે. WEDPs હેઠળ 1,400 થી વધુ મહિલાઓને તાલીમ આપવામાં આવી છે, જેનાથી તેમને વ્યવસાયિક વાતાવરણની સમજ, તકોનું મૂલ્યાંકન કરવા અને સફળ સાહસો સ્થાપિત કરવા માટે જ્ઞાન પ્રાપ્ત

થાય છે. આ કાર્યક્રમ પ્રાયોગિક શિક્ષણ પર ભાર મૂકે છે, જેમાં તકોની ઓળખ, નાણાકીય વ્યવસ્થાપન, માર્કેટિંગ વ્યૂહરચના અને ઉદ્યોગસાહસિક સ્થિતિસ્થાપકતા જેવા ક્ષેત્રોને આવરી લેવામાં આવે છે.

પ્રોજેક્ટ ઉદયાની અસરને સાચા અર્થમાં સમજવા માટે, આપણે આંકડાઓમાંથી બહાર આવીને વ્યક્તિગત વાર્તાઓ  પર ધ્યાન કેન્દ્રિત કરવાની જરૂર છે. ઉમા - ઉચ્ચ શાળા સ્નાતક. જેના ઉદ્યોગસાહસિકતાના સપના વારંવાર નિષ્ફળ થયા.

જ્યારે ઉમાએ રાયગઢના કરંજડેમાં મહિલા ઉદ્યમિતા વિકાસ કાર્યક્રમ (WEDP)માં પ્રવેશ મેળવ્યો, તે માત્ર એક પ્રશિક્ષણ સત્ર ન હતું .પરંતુ તે પરિવર્તનશીલ સ્થળ તરફ આગળ વધી હતી ,જેણે તેના સપનાઓને સક્રિય યોજનાઓમાં પરિવર્તિત કર્યા.

લક્ષિત માર્ગદર્શન અને વ્યવહારિક તાલીમની સાથે, ઉમાએ કૌશલ્ય કરતાં વધુ મેળવ્યું - તેણીએ આત્મવિશ્વાસ મેળવ્યો.તેમનું ઉદ્યોગ સાહસ 'ન્યુટ્રિલોક પ્રીમિક્સ' જે ડિહાઈડ્રેટેડ શાકભાજી અને ફળોના ઉત્પાદોમાં કામ કરે છે. 13 લાખ રૂપિયાનું શરૂઆતી રોકાણ પછી તેઓ હવે 50,000 રૂપિયાની માસિક આવક મેળવી રહ્યા છે. અને ભવિષ્યમાં વ્યવસાયને આગળ ધપાવવાની યોજના પણ બનાવી રહ્યા છે.

ઉમાની વાર્તા પ્રતીકાત્મક છે - આ પ્રોજેક્ટ ઉદયાના સિદ્ધાંતનો પુરાવો છે કે યોગ્ય સમર્થન સાથે, કોઈપણ સ્વપ્ન સાકાર કરી શકાય છે.

પ્રોજેક્ટ ઉદયાની ખાસિયત તેના વ્યાપક અભિગમમાં રહેલી છે. તાલીમ એ માત્ર શરૂઆત છે. આ પ્રોજેક્ટ સહભાગીઓને જરૂરી સહયોગ પ્રદાન કરે છે, જેમાં સામેલ છે: માર્ગદર્શક કાર્યક્રમો, સરકારી ભંડોળ યોજનાઓ સુધી પહોંચ (PMEGP અને CMEGP), B2B વર્કશોપ તક, "સ્વયંસિદ્ધ" જેવા પ્રદર્શન પ્લેટફોર્મ.

રાયગઢમાં સ્વયંસિદ્ધ પ્રદર્શની આ અભિગમનું ઉદાહરણ છે. આ પ્રદર્શનીમાં 96 મહિલા સાહસિકોના ઉત્પાદનોનું પ્રદર્શન કરવામાં આવ્યું, આ પ્રદર્શનીમાં 100,000 થી વધુ મુલાકાતીઓએ મુલાકાત લીધી અને દરેક પ્રતિભાગીને સરેરાશ 20,500 રૂપિયાની આવક થઇ.

પ્રોજેક્ટની સિદ્ધિઓમાં શામેલ છે : 600થી વધુ માઈક્રો એન્ટરપ્રાઈઝની સ્થાપના, જેનાથી આત્મનિર્ભરતા માટે માર્ગો બનાવ્યા; ૮00થી વધુ નૌકરીઓની તક ઉત્પન્ન થઇ, જેનો ફાયદો સ્થાનિક અર્થવ્યવસ્થાને થાય છે; 86% લાભાર્થીઓના જીવનધોરણમાં સુધારો થયો છે જે પ્રોજેક્ટના પરિવર્તનકારી પરિણામો સામે આવ્યા. ઉદ્યોગ સાહસિકોની સરેરાશ માસિક આવક 10,000 રૂપિયાથી ઉપર થઇ, જેમાં પ્રતિ યુનિટ સરેરાશ રોકાણ 1 લાખ રૂપિયાથી વધુ ગયું; અગાઉ 100થી વધુ બિન-કમાણી પરિવારના સભ્યો હવે ઘરની આવકમાં ફાળો આપે છે. ઉલ્લેખનીય વાત એ છે કે અફરમેટિવ એક્શન કમ્યુનિટીઝ  (SC/ST મહિલાઓ)થી 70% લાભાર્થીઓની આર્થિક સમસ્યાઓનો નિકાલ આવ્યા છે.

એમ્બેસેડર પ્રોગ્રામ્સ નવીન ગુણાકાર વ્યૂહરચના રજૂ કરે છે. 65 મહિલા ઉદ્યોગસાહસિકોને અદ્યતન તાલીમ આપીને, પ્રોજેક્ટ ઉદયાએ એક નેટવર્ક તૈયાર કર્યું છે, જે તેમના સમુદાયોમાં 3,000 થી વધુ મહિલાઓને પ્રેરણા આપવા અને એકત્ર કરવા સક્ષમ છે.

પ્રોજેક્ટ ઉદયા તેના ત્રીજા તબક્કામાં પ્રવેશ કર્યો છે આ પહેલ વ્યૂહાત્મક પ્રાથમિકતાઓ સાથે વિસ્તરી રહી છે: જેમાં ભૌગોલિક વિસ્તરણ: આસામ અને મેઘાલયના પૂર્વોત્તર રાજ્યો, ગ્રામીણ ઇન્ક્યુબેશન કેન્દ્રો મહારાષ્ટ્ર અને ઉત્તર પૂર્વ પ્રદેશમાં ગ્રીન એન્ટરપ્રાઇઝ પર ધ્યાન કેન્દ્રિત કરે છે, પ્રોજેક્ટ ઉદયાના લાભાર્થીઓ માટે એક સમર્પિત ઈ-કોમર્સ પ્લેટફોર્મ, વિકલાંગ વ્યક્તિઓના સમાવેશ પર વધુ ધ્યાન કેન્દ્રિત કરવામાં આવ્યું છે.

પ્રોજેક્ટ ઉદયા પરંપરાગત વિકાસ મોડલથી અલગ છે.તે આર્થિક સ્વતંત્રતા દ્વારા સામાજિક સ્તરે સમાનતાને પ્રોત્સાહન આપે છે. ઉદ્યોગ સાહસિકોને તૈયાર કરીને, સામાજિક માળખામાં પરિવર્તન લાવે છે.

આ એક એવું આંદલોન છે કે જે હાંસિયામાં રહેલા લોકોની સમસ્યાને તકમાં પરિવર્તિત કરે છે, અને વ્યક્તિગત ક્ષમતા સામૂહિક પ્રગતિ બની જાય છે.

Entrepreneurship Development Institute of India, Ahmedabad

# Media Coverage

| | | |
|---|---|---|
| PUBLICATION NAME | : | Garv Bhoomi |
| EDITION | : | Ahmedabad |
| DATE | : | Jan 10, 2025 |
| PAGE | : | Pg 02 |

# EDII દ્વારા પ્રોજેક્ટ ઉદયા : ઉદ્યોગ સાહસિકતાના સપનાને કરી રહી છે સાકાર

ગર્વ ભૂમિ

પુણે, રાયગઢ અને રત્નાગીરી જિલ્લાઓમાં નોંધપાત્ર પરિવર્તન થઈ રહ્યા છે. આંત્રપ્રિન્યોરશિપ ડેવલપમેન્ટ ઇન્સ્ટિટ્યૂટ ઓફ ઇન્ડિયા (EDII) ની આગેવાની હેઠળ અને ટાટા કોમ્યુનિકેશન્સ લિમિટેડ દ્વારા સમર્થિત પ્રોજેક્ટ ઉદયા હાંસિયામાં ધકેલાય ગયેલી મહિલાઓ, દિવ્યાંગ વ્યક્તિઓ (PwDs) અને સમાજના નબળા વર્ગોને સ્વતંત્ર ઉદ્યોગસાહસિક બનાવવા માટે સાધનો પુરા પાડી રહ્યું છે.

પ્રોજેક્ટ ઉદયાની શરૂઆત મૂળભૂત સિદ્ધાંત સાથે કરવામાં આવી હતી. ઉદ્યોગસાહસિકતા એક વિશેષાધિકાર નથી પણ મૂળભૂત અધિકાર છે. સશક્તિકરણની હદ તાલીમથી વધીને છે-આ વિચારને ધ્યાનમાં રાખીને આ પ્રોજેક્ટ શરુ કરવામાં આવ્યો જે વ્યક્તિગત ક્ષમતાને પ્રોત્સાહિત કરીને પડકારોનું સમાધાન કરે છે.

આ યાત્રાની શરૂઆત સાહસિકતા જાગૃતિ શિબિરોથી શરૂ થઇ—એક દિવસીય અનુભવો જે માહિતી કરતાં વધુ પ્રદાન છે; તેઓ પ્રેરણા આપે છે. આ શિબિરો કાળજીપૂર્વક તૈયાર કરાય છે જ્યાં નિષ્ક્રિય સપનાને જાગૃત કરાય છે. સહભાગીઓને વ્યવસાયિક તકો અને સરકારી સહાયક યોજનાઓથી પરિચિત કરાવીને, પ્રોજેક્ટ ઉદયા અમૂર્ત શક્યતાઓને મૂર્ત માર્ગોમાં પરિવર્તિત કરે છે. શરૂઆતથી લઇ અત્યાર સુધી આ શિબિરો ૫,૯૧૫ મહિલાઓ અને દિવ્યાંગો સુધી પહોંચી ચૂકી છે, દરેક સત્ર વર્તમાન મર્યાદાઓને પડકારવા અને ક્ષિતિજને વિસ્તૃત કરવા માટે કાળજીપૂર્વક તૈયાર કરાય છે, જેને પુણે, રાયગઢ અને રત્નાગિરી જિલ્લામાં ૧૦,૦૦૦થી વધુ લોકોના જીવનને પ્રભાવિત કર્યા છે.

આ આધાર પર નિર્મિત પ્રોજેક્ટ ઉદયા સહભાગીઓને વુમન એન્ટરપ્રેન્યોરશિપ ડેવલપમેન્ટ પ્રોગ્રામ્સ (WEDPs) સાથે જોડે છે - તાલીમ સત્ર જે ઉદ્યોગસાહસિકની આકાંક્ષાઓને કાર્યક્ષમ કૌશલ્યોમાં રૂપાંતરિત કરવા માટે તૈયાર કરવામાં આવ્યા છે. WEDPs હેઠળ ૧,૪૦૦ થી વધુ મહિલાઓને તાલીમ આપવામાં આવી છે, જેનાથી તેમને વ્યવસાયિક વાતાવરણની સમજ, તકોનું મૂલ્યાંકન કરવા અને સફળ સાહસો સ્થાપિત કરવા માટે જ્ઞાન પ્રાપ્ત થાય છે. આ કાર્યક્રમ પ્રાયોગિક શિક્ષણ પર ભાર મૂકે છે, જેમાં તકોની ઓળખ, નાણાકીય વ્યવસ્થાપન, માર્કેટિંગ વ્યૂહરચના અને ઉદ્યોગસાહસિક સ્થિતિસ્થાપકતા જેવા ક્ષેત્રોને આવરી લેવામાં આવે છે.

પ્રોજેક્ટ ઉદયાની અસરને સાચા અર્થમાં સમજવા માટે, આપણે આંકડાઓમાંથી બહાર આવીને વ્યક્તિગત વાર્તાઓ પર ધ્યાન કેન્દ્રિત કરવાની જરૂર છે. ઉમા - ઉચ્ચ શાળા સ્નાતક. જેના ઉદ્યોગસાહસિકતાના સપના વારંવાર નિષ્ફળ થયા.

જ્યારે ઉમાએ રાયગઢના કરંજડેમાં મહિલા ઉદ્યમિતા વિકાસ કાર્યક્રમ (WEDP)માં પ્રવેશ મેળવ્યો, તે માત્ર એક પ્રશિક્ષણ સત્ર ન હતું .પરંતુ તે પરિવર્તનશીલ સ્થળ તરફ આગળ વધી હતી ,જેણે તેના સપનાઓને સક્રિય યોજનાઓમાં પરિવર્તિત કર્યા.

લક્ષિત માર્ગદર્શન અને વ્યવહારિક તાલીમની સાથે, ઉમાએ કૌશલ્ય કરતાં વધુ મેળવ્યું - તેણીએ આત્મવિશ્વાસ મેળવ્યો. તેમનું ઉદ્યોગ સાહસ 'ન્યુટ્રિલોક પ્રીમિક્સ' જે ડિહાઈડ્રેટેડ શાકભાજી અને ફળોના ઉત્પાદોમાં કામ કરે છે. ૧૩ લાખ રૂપિયાનું શરૂઆતી રોકાણ પછી તેઓ હવે ૫૦,૦૦૦ રૂપિયાની માસિક આવક મેળવી રહ્યા છે. અને ભવિષ્યમાં વ્યવસાયને આગળ ધપાવવાની યોજના પણ બનાવી રહ્યા છે.

PUBLICATION NAME : Gujarat Karobar

EDITION : Ahmedabad

DATE : Jan 10, 2025

PAGE : Pg 02

## EDII દ્વારા પ્રોજેક્ટ ઉદયા : ઉદ્યોગ સાહસિકતાના સપનાને કરી રહી છે સાકાર

પુણે, રાયગઢ અને રત્નાગીરી જિલ્લાઓમાં નોંધપાત્ર પરિવર્તન થઈ રહ્યા છે. આંત્રપ્રિન્યોરશિપ ડેવલપમેન્ટ ઈન્સ્ટિટ્યૂટ ઓફ ઈન્ડિયા **(EDII)** ની આગેવાની હેઠળ અને ટાટા કોમ્યુનિકેશન્સ લિમિટેડ દ્વારા સમર્થિત પ્રોજેક્ટ ઉદયા હાંસિયામાં ધકેલાય ગયેલી મહિલાઓ, દિવ્યાંગ વ્યક્તિઓ **(PwDs)** અને સમાજના નબળા વર્ગોને સ્વતંત્ર ઉદ્યોગસાહસિક બનાવવા માટે સાધનો પુરા પાડી રહ્યું છે.

પ્રોજેક્ટ ઉદયાની શરૂઆત મૂળભૂત સિદ્ધાંત સાથે કરવામાં આવી હતી. ઉદ્યોગસાહસિકતા એક વિશેષાધિકાર નથી પણ મૂળભૂત અધિકાર છે. સશક્તિકરણની હદ તાલીમથી વધીને છે-આ વિચારને ધ્યાનમાં રાખીને આ પ્રોજેક્ટ શરુ કરવામાં આવ્યો જે વ્યક્તિગત ક્ષમતાને પ્રોત્સાહિત કરીને પડકારોનું સમાધાન કરે છે.

આ યાત્રાની શરૂઆત સાહસિકતા જાગૃતિ શિબિરોથી શરૂ થઈ—એક દિવસીય અનુભવો જે માહિતી કરતાં વધુ પ્રદાન છે; તેઓ પ્રેરણા આપે છે. આ શિબિરો કાળજીપૂર્વક તૈયાર કરાય છે જ્યાં નિષ્ક્રિય સપનાને જાગૃત કરાય છે. સહભાગીઓને વ્યવસાયિક તકો અને સરકારી સહાયક યોજનાઓથી પરિચિત કરાવીને, પ્રોજેક્ટ ઉદયા અમૂર્ત શક્યતાઓને મૂર્ત માર્ગોમાં પરિવર્તિત કરે છે. શરૂઆતથી લઈ અત્યાર સુધી આ શિબિરો ૫,૯૧૫ મહિલાઓ અને દિવ્યાંગો સુધી પહોંચી ચૂકી છે, દરેક સત્ર વર્તમાન મર્યાદાઓને પડકારવા અને ક્ષિતિજને વિસ્તૃત કરવા માટે કાળજીપૂર્વક તૈયાર કરાય છે, જેને પુણે, રાયગઢ અને રત્નાગિરી જિલ્લામાં ૧૦,૦૦૦થી વધુ લોકોના જીવનને પ્રભાવિત કર્યા છે.

આ આધાર પર નિર્મિત પ્રોજેક્ટ ઉદયા સહભાગીઓને વુમન એન્ટરપ્રેન્યોરશિપ ડેવલપમેન્ટ પ્રોગ્રામ્સ **(WEDPs)** સાથે જોડે છે - તાલીમ સત્ર જે ઉદ્યોગસાહસિકની આકાંક્ષાઓને કાર્યક્ષમ કૌશલ્યોમાં રૂપાંતરિત કરવા માટે તૈયાર કરવામાં આવ્યા છે. **WEDPs** હેઠળ ૧,૪૦૦થી વધુ મહિલાઓને તાલીમ આપવામાં આવી છે, જેનાથી તેમને વ્યવસાયિક વાતાવરણની સમજ, તકોનું મૂલ્યાંકન કરવા અને સફળ સાહસો સ્થાપિત કરવા માટે જ્ઞાન પ્રાપ્ત થાય છે. આ કાર્યક્રમ પ્રાયોગિક શિક્ષણ પર ભાર મૂકે છે, જેમાં તકોની ઓળખ, નાણાકીય વ્યવસ્થાપન, માર્કેટિંગ વ્યૂહરચના અને ઉદ્યોગ સાહસિક સ્થિતિસ્થાપકતા જેવા ક્ષેત્રોને આવરી લેવામાં આવે છે.

PUBLICATION NAME : Gujarat Pranam
EDITION : Ahmedabad
DATE : Jan 10, 2025
PAGE : Pg 02

# EDII દ્વારા પ્રોજેક્ટ ઉદયા : ઉદ્યોગસાહસિકતાના સપનાને કરી રહી છે સાકાર

પુણે, રાયગઢ અને રત્નાગીરી જિલ્લાઓમાં નોંધપાત્ર પરિવર્તન થઈ રહ્યા છે. આંત્રપ્રિન્યોરશિપ ડેવલપમેન્ટ ઈન્સ્ટિટ્યૂટ ઑફ ઈન્ડિયા **(EDII)** ની આગેવાની હેઠળ અને ટાટા કોમ્યુનિકેશન્સ લિમિટેડ દ્વારા સમર્થિત પ્રોજેક્ટ ઉદયા હાંસિયામાં ધકેલાય ગયેલી મહિલાઓ, દિવ્યાંગ વ્યક્તિઓ **(PwDs)** અને સમાજના નબળા વર્ગોને સ્વતંત્ર ઉદ્યોગસાહસિક બનાવવા માટે સાધનો પુરા પાડી રહ્યું છે. પ્રોજેક્ટ ઉદયાની શરૂઆત મૂળભૂત સિદ્ધાંત સાથે કરવામાં આવી હતી. ઉદ્યોગસાહસિકતા એક વિશેષાધિકાર નથી પણ મૂળભૂત અધિકાર છે. સશક્તિકરણની હદ તાલીમથી વધીને છે-આ વિચારને ધ્યાનમાં રાખીને આ પ્રોજેક્ટ શરુ કરવામાં આવ્યો જે વ્યક્તિગત ક્ષમતાને પ્રોત્સાહિત કરીને પડકારોનું સમાધાન કરે છે. આ યાત્રાની શરૂઆત સાહસિકતા જાગૃતિ શિબિરોથી શરૂ થઈ—એક દિવસીય અનુભવો જે માહિતી કરતાં વધુ પ્રદાન છે; તેઓ પ્રેરણા આપે છે. આ શિબિરો કાળજીપૂર્વક તૈયાર કરાય છે જ્યાં નિષ્ક્રિય સપનાને જાગૃત કરાય છે. સહભાગીઓને વ્યવસાયિક તકો અને સરકારી સહાયક યોજનાઓથી પરિચિત કરાવીને, પ્રોજેક્ટ ઉદયા અમૂર્ત શક્યતાઓને મૂર્ત માર્ગોમાં પરિવર્તિત કરે છે. શરૂઆતથી લઈ અત્યાર સુધી આ શિબિરો ૫,૯૧૫ મહિલાઓ અને દિવ્યાંગો સુધી પહોંચી ચૂકી છે, દરેક સત્ર વર્તમાન મર્યાદાઓને પડકારવા અને ક્ષિતિજને વિસ્તૃત કરવા માટે કાળજીપૂર્વક તૈયાર કરાય છે, જેને પુણે, રાયગઢ અને રત્નાગિરી જિલ્લામાં ૧૦,૦૦૦થી વધુ લોકોના જીવનને પ્રભાવિત કર્યા છે.

| | | |
|---|---|---|
| PUBLICATION NAME | : | Jay Gujarat |
| EDITION | : | Ahmedabad |
| DATE | : | Jan 10, 2025 |
| PAGE | : | Pg 02 |

# EDII દ્વારા પ્રોજેક્ટ ઉદયા : ઉદ્યોગ સાહસિકતાના સપનાને કરી રહી છે સાકાર

પુણે, રાયગઢ અને રત્નાગીરી જિલ્લાઓમાં નોંધપાત્ર પરિવર્તન થઈ રહ્યા છે. આંત્રપ્રિન્યોરશિપ ડેવલપમેન્ટ ઇન્સ્ટિટ્યૂટ ઑફ ઇન્ડિયા **(EDII)** ની આગેવાની હેઠળ અને ટાટા કોમ્યુનિકેશન્સ લિમિટેડ દ્વારા સમર્થિત પ્રોજેક્ટ ઉદયા હાંસિયામાં ધકેલાય ગયેલી મહિલાઓ, દિવ્યાંગ વ્યક્તિઓ **(PwDs)** અને સમાજના નબળા વર્ગોને સ્વતંત્ર ઉદ્યોગસાહસિક બનાવવા માટે સાધનો પુરા પાડી રહ્યું છે.

પ્રોજેક્ટ ઉદયાની શરૂઆત મૂળભૂત સિદ્ધાંત સાથે કરવામાં આવી હતી. ઉદ્યોગસાહસિકતા એક વિશેષાધિકાર નથી પણ મૂળભૂત અધિકાર છે. સશક્તિકરણની હદ તાલીમથી વધીને છે-આ વિચારને ધ્યાનમાં રાખીને આ પ્રોજેક્ટ શરુ કરવામાં આવ્યો જે વ્યક્તિગત ક્ષમતાને પ્રોત્સાહિત કરીને પડકારોનું સમાધાન કરે છે.

આ યાત્રાની શરૂઆત સાહસિકતા જાગૃતિ શિબિરોથી શરૂ થઈ—એક દિવસીય અનુભવો જે માહિતી કરતાં વધુ પ્રદાન છે; તેઓ પ્રેરણા આપે છે. આ શિબિરો કાળજીપૂર્વક તૈયાર કરાય છે જ્યાં નિષ્ક્રિય સપનાને જાગૃત કરાય છે. સહભાગીઓને વ્યવસાયિક તકો અને સરકારી સહાયક યોજનાઓથી પરિચિત કરાવીને, પ્રોજેક્ટ ઉદયા અમૂર્ત શક્યતાઓને મૂર્ત માર્ગોમાં પરિવર્તિત કરે છે. શરૂઆતથી લઈ અત્યાર સુધી આ શિબિરો ૫,૯૧૫ મહિલાઓ અને દિવ્યાંગો સુધી પહોંચી ચૂકી છે, દરેક સત્ર વર્તમાન મર્યાદાઓને પડકારવા અને ક્ષિતિજને વિસ્તૃત કરવા માટે કાળજીપૂર્વક તૈયાર કરાય છે, જેને પુણે, રાયગઢ અને રત્નાગિરી જિલ્લામાં ૧૦,૦૦૦થી વધુ લોકોના જીવનને પ્રભાવિત કર્યા છે.

આ આધાર પર નિર્મિત પ્રોજેક્ટ ઉદયા સહભાગીઓને વુમન એન્ટરપ્રેન્યોરશિપ ડેવલપમેન્ટ પ્રોગ્રામ્સ **(WEDPs)** સાથે જોડે છે

- તાલીમ સત્ર જે ઉદ્યોગસાહસિકની આકાંક્ષાઓને કાર્યક્ષમ કૌશલ્યોમાં રૂપાંતરિત કરવા માટે તૈયાર કરવામાં આવ્યા છે. **WEDPs** હેઠળ ૧,૪૦૦ થી વધુ મહિલાઓને તાલીમ આપવામાં આવી છે, જેનાથી તેમને વ્યવસાયિક વાતાવરણની સમજ, તકોનું મૂલ્યાંકન કરવા અને સફળ સાહસો સ્થાપિત કરવા માટે જ્ઞાન પ્રાપ્ત થાય છે. આ કાર્યક્રમ પ્રાયોગિક શિક્ષણ પર ભાર મૂકે છે, જેમાં તકોની ઓળખ, નાણાકીય વ્યવસ્થાપન, માર્કેટિંગ વ્યૂહરચના અને ઉદ્યોગસાહસિક સ્થિતિસ્થાપકતા જેવા ક્ષેત્રોને આવરી લેવામાં આવે છે.

| | | |
|---|---|---|
| PUBLICATION NAME | : | Karnavati India |
| EDITION | : | Ahmedabad |
| DATE | : | Jan 10, 2025 |
| PAGE | : | Pg 03 |


# EDII દ્વારા પ્રોજેક્ટ ઉદયા : ઉદ્યોગ સાહસિકતાના સપનાને કરી રહી છે સાકાર

પુણે, રાયગઢ અને રત્નાગીરી જિલ્લાઓમાં નોંધપાત્ર પરિવર્તન થઈ રહ્યા છે. આંત્રપ્રિન્યોરશિપ ડેવલપમેન્ટ ઈન્સ્ટિટ્યૂટ ઑફ ઈન્ડિયા **(EDII)** ની આગેવાની હેઠળ અને ટાટા કોમ્યુનિકેશન્સ લિમિટેડ દ્વારા સમર્થિત પ્રોજેક્ટ ઉદયા હાંસિયામાં ધકેલાય ગયેલી મહિલાઓ, દિવ્યાંગ વ્યક્તિઓ **(PwDs)** અને સમાજના નબળા વર્ગોને સ્વતંત્ર ઉદ્યોગસાહસિક બનાવવા માટે સાધનો પુરા પાડી રહ્યું છે.

પ્રોજેક્ટ ઉદયાની શરૂઆત મૂળભૂત સિદ્ધાંત સાથે કરવામાં આવી હતી. ઉદ્યોગસાહસિકતા એક વિશેષાધિકાર નથી પણ મૂળભૂત અધિકાર છે. સશક્તિકરણની હદ તાલીમથી વધીને છે-આ વિચારને ધ્યાનમાં રાખીને આ પ્રોજેક્ટ શરુ કરવામાં આવ્યો જે વ્યક્તિગત ક્ષમતાને પ્રોત્સાહિત કરીને પડકારોનું સમાધાન કરે છે.

આ યાત્રાની શરૂઆત સાહસિકતા જાગૃતિ શિબિરોથી શરૂ થઈ—એક દિવસીય અનુભવો જે માહિતી કરતાં વધુ પ્રદાન છે; તેઓ પ્રેરણા આપે છે. આ શિબિરો કાળજીપૂર્વક તૈયાર કરાય છે જ્યાં નિષ્ક્રિય સપનાને જાગૃત કરાય છે. સહભાગીઓને વ્યવસાયિક તકો અને સરકારી સહાયક યોજનાઓથી પરિચિત કરાવીને, પ્રોજેક્ટ ઉદયા અમૂર્ત શક્યતાઓને મૂર્ત માર્ગોમાં પરિવર્તિત કરે છે. શરૂઆતથી લઈ અત્યાર સુધી આ શિબિરો ૫,૯૧૫ મહિલાઓ અને દિવ્યાંગો સુધી પહોંચી ચૂકી છે, દરેક સત્ર વર્તમાન મર્યાદાઓને પડકારવા અને ક્ષિતિજને વિસ્તૃત કરવા માટે કાળજીપૂર્વક તૈયાર કરાય છે, જેને પુણે, રાયગઢ અને રત્નાગિરી જિલ્લામાં ૧૦,૦૦૦થી વધુ લોકોના જીવનને પ્રભાવિત કર્યા છે.

આ આધાર પર નિર્મિત પ્રોજેક્ટ ઉદયા સહભાગીઓને વુમન એન્ટરપ્રેન્યોરશિપ ડેવલપમેન્ટ પ્રોગ્રામ્સ **(WEDPs)** સાથે જોડે છે

- તાલીમ સત્ર જે ઉદ્યોગસાહસિકની આકાંક્ષાઓને કાર્યક્ષમ કૌશલ્યોમાં રૂપાંતરિત કરવા માટે તૈયાર કરવામાં આવ્યા છે. **WEDPs** હેઠળ ૧,૪૦૦ થી વધુ મહિલાઓને તાલીમ આપવામાં આવી છે, જેનાથી તેમને વ્યવસાયિક વાતાવરણની સમજ, તકોનું મૂલ્યાંકન કરવા અને સફળ સાહસો સ્થાપિત કરવા માટે જ્ઞાન પ્રાપ્ત થાય છે. આ કાર્યક્રમ પ્રાયોગિક શિક્ષણ પર ભાર મૂકે છે, જેમાં તકોની ઓળખ, નાણાકીય વ્યવસ્થાપન, માર્કેટિંગ વ્યૂહરચના અને ઉદ્યોગસાહસિક સ્થિતિસ્થાપકતા જેવા ક્ષેત્રોને આવરી લેવામાં આવે છે.

PUBLICATION NAME : Nirmal Metro
EDITION : Ahmedabad
DATE : Jan 10, 2025
PAGE : Pg 03

# EDII દ્વારા પ્રોજેક્ટ ઉદયા : ઉદ્યોગસાહસિકતાના સપનાને કરી રહી છે સાકાર

એજન્સી દ્વારા

પુણે, રાયગઢ અને રત્નાગીરી જિલ્લાઓમાં નોંધપાત્ર પરિવર્તન થઈ રહ્યા છે. આંત્રપ્રિન્યોરશિપ ડેવલપમેન્ટ ઈન્સ્ટિટ્યૂટ ઑફ ઈન્ડિયા (**EDII**) ની આગેવાની હેઠળ અને ટાટા કોમ્યુનિકેશન્સ લિમિટેડ દ્વારા સમર્થિત પ્રોજેક્ટ ઉદયા હાંસિયામાં ધકેલાય ગયેલી મહિલાઓ, દિવ્યાંગ વ્યક્તિઓ (**PwDs**) અને સમાજના નબળા વર્ગોને સ્વતંત્ર ઉદ્યોગસાહસિક બનાવવા માટે સાધનો પુરા પાડી રહ્યું છે.

પ્રોજેક્ટ ઉદયાની શરૂઆત મૂળભૂત સિદ્ધાંત સાથે કરવામાં આવી હતી. ઉદ્યોગસાહસિકતા એક વિશેષાધિકાર નથી પણ મૂળભૂત અધિકાર છે. સશક્તિકરણની હદ તાલીમથી વધીને છે- આ વિચારને ધ્યાનમાં રાખીને આ પ્રોજેક્ટ શરુ કરવામાં આવ્યો જે વ્યક્તિગત ક્ષમતાને પ્રોત્સાહિત કરીને પડકારોનું સમાધાન કરે છે.

આ યાત્રાની શરૂઆત સાહસિકતા જાગૃતિ શિબિરોથી શરૂ થઈ—એક દિવસીય અનુભવો જે માહિતી કરતાં વધુ પ્રદાન છે; તેઓ પ્રેરણા આપે છે. આ શિબિરો કાળજીપૂર્વક તૈયાર કરાય છે જ્યાં નિષ્ક્રિય સપનાને જાગૃત કરાય છે. સહભાગીઓને વ્યવસાયિક તકો અને સરકારી સહાયક યોજનાઓથી પરિચિત કરાવીને, પ્રોજેક્ટ ઉદયા અમૂર્ત

શક્યતાઓને મૂર્ત માર્ગોમાં પરિવર્તિત કરે છે.

શરૂઆતથી લઈ અત્યાર સુધી આ શિબિરો ૫,૯૧૫ મહિલાઓ અને દિવ્યાંગો સુધી પહોંચી ચૂકી છે, દરેક સત્ર વર્તમાન મર્યાદાઓને પડકારવા અને ક્ષિતિજને વિસ્તૃત કરવા માટે કાળજીપૂર્વક તૈયાર કરાય છે, જેને પુણે, રાયગઢ અને રત્નાગિરી જિલ્લામાં ૧૦,૦૦૦થી વધુ લોકોના જીવનને પ્રભાવિત કર્યા છે.

આ આધાર પર નિર્મિત પ્રોજેક્ટ ઉદયા સહભાગીઓને વુમન એન્ટરપ્રેન્યોરશિપ ડેવલપમેન્ટ પ્રોગ્રામ્સ (ઉઈડ્ઢૅજ) સાથે જોડે છે - તાલીમ સત્ર જે ઉદ્યોગસાહસિકની આકાંક્ષાઓને કાર્યક્ષમ કૌશલ્યોમાં રૂપાંતરિત કરવા માટે તૈયાર કરવામાં આવ્યા છે. ઉઈડ્ઢૅજ હેઠળ ૧,૪૦૦ થી વધુ મહિલાઓને તાલીમ આપવામાં આવી છે, જેનાથી તેમને વ્યવસાયિક વાતાવરણની સમજ, તકોનું મૂલ્યાંકન કરવા અને સફળ સાહસો સ્થાપિત કરવા માટે જ્ઞાન પ્રાપ્ત થાય છે. આ કાર્યક્રમ પ્રાયોગિક શિક્ષણ પર ભાર મૂકે છે.

PUBLICATION NAME : Samay Sauno
EDITION : Ahmedabad
DATE : Jan 10, 2025
PAGE : Pg 03

# EDII દ્વારા પ્રોજેક્ટ ઉદયા : ઉદ્યોગસાહસિકતાના સપનાને કરી રહી છે સાકાર

એજન્સી દ્વારા

પુણે, રાયગઢ અને રત્નાગીરી જિલ્લાઓમાં નોંધપાત્ર પરિવર્તન થઈ રહ્યા છે. આંત્રપ્રિન્યોરશિપ ડેવલપમેન્ટ ઈન્સ્ટિટ્યૂટ ઓફ ઈન્ડિયા **(EDII)** ની આગેવાની હેઠળ અને ટાટા કોમ્યુનિકેશન્સ લિમિટેડ દ્વારા સમર્થિત પ્રોજેક્ટ ઉદયા હાંસિયામાં ધકેલાય ગયેલી મહિલાઓ, દિવ્યાંગ વ્યક્તિઓ **(PwDs)** અને સમાજના નબળા વર્ગોને સ્વતંત્ર ઉદ્યોગસાહસિક બનાવવા માટે સાધનો પુરા પાડી રહ્યું છે.

પ્રોજેક્ટ ઉદયાની શરૂઆત મૂળભૂત સિદ્ધાંત સાથે કરવામાં આવી હતી. ઉદ્યોગસાહસિકતા એક વિશેષાધિકાર નથી પણ મૂળભૂત અધિકાર છે. સશક્તિકરણની હદ તાલીમથી વધીને છે-આ વિચારને ધ્યાનમાં રાખીને આ પ્રોજેક્ટ શરુ કરવામાં આવ્યો જે વ્યક્તિગત ક્ષમતાને પ્રોત્સાહિત કરીને પડકારોનું સમાધાન કરે છે.

આ યાત્રાની શરૂઆત સાહસિકતા જાગૃતિ શિબિરોથી શરૂ થઈ—એક દિવસીય અનુભવો જે માહિતી કરતાં વધુ પ્રદાન છે; તેઓ પ્રેરણા આપે છે. આ શિબિરો કાળજીપૂર્વક તૈયાર કરાય છે જ્યાં નિષ્ક્રિય સપનાને જાગૃત કરાય છે. સહભાગીઓને વ્યવસાયિક તકો અને સરકારી સહાયક યોજનાઓથી પરિચિત કરાવીને, પ્રોજેક્ટ ઉદયા અમૂર્ત શક્યતાઓને મૂર્ત માર્ગોમાં પરિવર્તિત કરે છે.

શરૂઆતથી લઈ અત્યાર સુધી આ શિબિરો ૫,૯૧૫ મહિલાઓ અને દિવ્યાંગો સુધી પહોંચી ચૂકી છે, દરેક સત્ર વર્તમાન મર્યાદાઓને પડકારવા અને ક્ષિતિજને વિસ્તૃત કરવા માટે કાળજીપૂર્વક તૈયાર કરાય છે, જેને પુણે, રાયગઢ અને રત્નાગિરી જિલ્લામાં ૧૦,૦૦૦થી વધુ લોકોના જીવનને પ્રભાવિત કર્યા છે.

આ આધાર પર નિર્મિત પ્રોજેક્ટ ઉદયા સહભાગીઓને વુમન એન્ટરપ્રેન્યોરશિપ ડેવલપમેન્ટ પ્રોગ્રામ્સ (ઉઈડૅજ) સાથે જોડે છે - તાલીમ સત્ર જે ઉદ્યોગસાહસિકની આકાંક્ષાઓને કાર્યક્ષમ કૌશલ્યોમાં રૂપાંતરિત કરવા માટે તૈયાર કરવામાં આવ્યા છે. ઉઈડૅજ હેઠળ ૧,૪૦૦થી વધુ મહિલાઓને તાલીમ આપવામાં આવી છે, જેનાથી તેમને વ્યવસાયિક વાતાવરણની સમજ, તકોનું મૂલ્યાંકન કરવા અને સફળ સાહસો સ્થાપિત કરવા માટે જ્ઞાન પ્રાપ્ત થાય છે. આ કાર્યક્રમ પ્રાયોગિક શિક્ષણ પર ભાર મૂકે છે, જેમાં તકોની ઓળખ, નાણાકીય વ્યવસ્થાપન, માર્કેટિંગ વ્યૂહરચના અને ઉદ્યોગસાહસિક સ્થિતિસ્થાપકતા જેવા ક્ષેત્રોને આવરી લેવામાં આવે છે.

પ્રોજેક્ટ ઉદયાની અસરને સાચા અર્થમાં સમજવા માટે, આપણે આંકડાઓમાંથી બહાર આવીને વ્યક્તિગત વાર્તાઓ પર ધ્યાન કેન્દ્રિત કરવાની જરૂર છે.

PUBLICATION NAME : Sunvilla Samachar
EDITION : Ahmedabad
DATE : Jan 10, 2025
PAGE : Pg 03

# EDII દ્વારા પ્રોજેક્ટ ઉદયા : ઉદ્યોગ સાહસિકતાના સપનાને કરી

સનવિલા ન્યુઝ, અમદાવાદ, તા. ૯

પુણે, રાયગઢ અને રત્નાગીરી જિલ્લાઓમાં નોંધપાત્ર પરિવર્તન થઈ રહ્યા છે. આંત્રપ્રિન્યોરશિપ ડેવલપમેન્ટ ઇન્સ્ટિટ્યૂટ ઓફ ઇન્ડિયા (EDII) ની આગેવાની હેઠળ અને ટાટા કોમ્યુનિકેશન્સ લિમિટેડ દ્વારા સમર્થિત પ્રોજેક્ટ ઉદયા હાંસિયામાં ધકેલાય ગયેલી મહિલાઓ, દિવ્યાંગ વ્યક્તિઓ અને સમાજના નબળા વર્ગોને સ્વતંત્ર ઉદ્યોગસાહસિક બનાવવા માટે સાધનો પુરા પાડી રહ્યું છે. પ્રોજેક્ટ ઉદયાની શરૂઆત મૂળભૂત સિદ્ધાંત સાથે કરવામાં આવી હતી. ઉદ્યોગસાહસિકતા એક વિશેષાધિકાર નથી પણ મૂળભૂત અધિકાર છે. સશક્તિકરણની હદ તાલીમથી વધીને છે-આ વિચારને ધ્યાનમાં રાખીને આ પ્રોજેક્ટ શરુ કરવામાં આવ્યો જે વ્યક્તિગત ક્ષમતાને પ્રોત્સાહિત કરીને પડકારોનું સમાધાન કરે છે. આ યાત્રાની શરૂઆત સાહસિકતા જાગૃતિ શિબિરોથી શરૂ થઈ—એક દિવસીય અનુભવો જે માહિતી કરતાં વધુ પ્રદાન છે; તેઓ પ્રેરણા આપે છે. આ શિબિરો કાળજીપૂર્વક તૈયાર કરાય છે જ્યાં નિષ્ક્રિય સપનાને જાગૃત કરાય છે. સહભાગીઓને વ્યવસાયિક તકો અને સરકારી સહાયક યોજનાઓથી પરિચિત કરાવીને, પ્રોજેક્ટ ઉદયા અમૂર્ત શક્યતાઓને મૂર્ત માર્ગોમાં પરિવર્તિત કરે છે. શરૂઆતથી લઈ અત્યાર સુધી આ શિબિરો ૫,૯૧૫ મહિલાઓ અને દિવ્યાંગો સુધી પહોંચી ચૂકી છે, દરેક સત્ર વર્તમાન મર્યાદાઓને પડકારવા અને ક્ષિતિજને વિસ્તૃત કરવા માટે કાળજીપૂર્વક તૈયાર કરાય છે, જેને પુણે, રાયગઢ અને રત્નાગિરી જિલ્લામાં ૧૦,૦૦૦થી વધુ લોકોનાજીવનને પ્રભાવિત કર્યા છે. આ આધાર પર નિર્મિત પ્રોજેક્ટ ઉદયા સહભાગીઓનેવુમન એન્ટરપ્રેન્યોરશિપ ડેવલપમેન્ટ પ્રોગ્રામ્સ સાથે જોડે છે - તાલીમ સત્ર જે ઉદ્યોગસાહસિકની આકાંક્ષાઓને કાર્યક્ષમ કૌશલ્યોમાં રૂપાંતરિત કરવા માટે તૈયાર કરવામાં આવ્યા છે. હેઠળ ૧,૪૦૦ થી વધુ મહિલાઓને તાલીમ આપવામાં આવી છે, જેનાથી તેમને વ્યવસાયિક વાતાવરણની સમજ, તકોનું મૂલ્યાંકન કરવા અને સફળ સાહસો સ્થાપિત કરવા માટે જ્ઞાન પ્રાપ્ત થાય છે. આ કાર્યક્રમ પ્રાયોગિક શિક્ષણ પર ભાર મૂકે છે, જેમાં તકોની ઓળખ, નાણાકીય વ્યવસ્થાપન, માર્કેટિંગ વ્યૂહરચના અને ઉદ્યોગસાહસિક સ્થિતિસ્થાપકતા જેવા ક્ષેત્રોને આવરી લેવામાં આવે છે.

| | | |
|---|---|---|
| PUBLICATION NAME | : | Kiran Utkarsh |
| EDITION | : | Ahmedabad |
| DATE | : | Jan 10, 2025 |
| PAGE | : | Pg 02 |

# EDII દ્વારા પ્રોજેક્ટ ઉદયા : ઉદ્યોગસાહસિકતાના સપનાને કરી રહી છે સાકાર

એજન્સી દ્વારા

પુણે, રાયગઢ અને રત્નાગીરી જિલ્લાઓમાં નોંધપાત્ર પરિવર્તન થઈ રહ્યા છે. આંત્રપ્રિન્યોરશિપ ડેવલપમેન્ટ ઈન્સ્ટિટ્યૂટ ઓફ ઈન્ડિયા **(EDII)** ની આગેવાની હેઠળ અને ટાટા કોમ્યુનિકેશન્સ લિમિટેડ દ્વારા સમર્થિત પ્રોજેક્ટ ઉદયા હાંસિયામાં ધકેલાય ગયેલી મહિલાઓ, દિવ્યાંગ વ્યક્તિઓ **(PwDs)** અને સમાજના નબળા વર્ગોને સ્વતંત્ર ઉદ્યોગસાહસિક બનાવવા માટે સાધનો પુરા પાડી રહ્યું છે.પ્રોજેક્ટ ઉદયાની શરૂઆત મૂળભૂત સિદ્ધાંત સાથે કરવામાં આવી હતી. ઉદ્યોગસાહસિકતા એક વિશેષાધિકાર નથી પણ મૂળભૂત અધિકાર છે. સશક્તિકરણની હદ તાલીમથી વધીને છે-આ વિચારને ધ્યાનમાં રાખીને આ પ્રોજેક્ટ શરુ કરવામાં આવ્યો જે વ્યક્તિગત ક્ષમતાને પ્રોત્સાહિત કરીને પડકારોનું સમાધાન કરે છે.

આ યાત્રાની શરૂઆત સાહસિકતા જાગૃતિ શિબિરોથી શરૂ થઈ—એક દિવસીય અનુભવો જે માહિતી કરતાં વધુ પ્રદાન છે; તેઓ પ્રેરણા આપે છે. આ શિબિરો કાળજીપૂર્વક તૈયાર કરાય છે જ્યાં નિષ્ક્રિય સપનાને જાગૃત કરાય છે. સહભાગીઓને વ્યવસાયિક તકો અને સરકારી સહાયક યોજનાઓથી પરિચિત કરાવીને, પ્રોજેક્ટ ઉદયા અમૂર્ત શક્યતાઓને મૂર્ત માર્ગોમાં પરિવર્તિત કરે છે.

શરૂઆતથી લઈ અત્યાર સુધી આ શિબિરો ૫,૯૧૫ મહિલાઓ અને દિવ્યાંગો સુધી પહોંચી ચૂકી છે, દરેક સત્ર વર્તમાન મર્યાદાઓને પડકારવા અને ક્ષિતિજને વિસ્તૃત કરવા માટે કાળજીપૂર્વક તૈયાર કરાય છે, જેને પુણે, રાયગઢ અને રત્નાગિરી જિલ્લામાં ૧૦,૦૦૦થી વધુ લોકોના જીવનને પ્રભાવિત કર્યા છે.

આ આધાર પર નિર્મિત પ્રોજેક્ટ ઉદયા સહભાગીઓને વુમન એન્ટરપ્રેન્યોરશિપ ડેવલપમેન્ટ પ્રોગ્રામ્સ (ઉઈડૈંજ) સાથે જોડે છે - તાલીમ સત્ર જે ઉદ્યોગસાહસિકની આકાંક્ષાઓને કાર્યક્ષમ કૌશલ્યોમાં રૂપાંતરિત કરવા માટે તૈયાર કરવામાં આવ્યા છે. ઉઈડૈંજ હેઠળ ૧,૪૦૦થી વધુ મહિલાઓને તાલીમ આપવામાં આવી છે, જેનાથી તેમને વ્યવસાયિક વાતાવરણની સમજ, તકોનું મૂલ્યાંકન કરવા અને સફળ સાહસો સ્થાપિત કરવા માટે જ્ઞાન પ્રાપ્ત થાય છે. આ કાર્યક્રમ પ્રાયોગિક શિક્ષણ પર ભાર મૂકે છે, જેમાં તકોની ઓળખ, નાણાકીય વ્યવસ્થાપન, માર્કેટિંગ વ્યૂહરચના અને ઉદ્યોગસાહસિક સ્થિતિસ્થાપકતા જેવા ક્ષેત્રોને આવરી લેવામાં આવે છે.

પ્રોજેક્ટ ઉદયાની અસરને સાચા અર્થમાં સમજવા માટે, આપણે આંકડાઓમાંથી બહાર આવીને વ્યક્તિગત વાર્તાઓ પર ધ્યાન કેન્દ્રિત કરવાની જરૂર છે.

ઉમા - ઉચ્ચ શાળા સ્નાતક. જેના ઉદ્યોગસાહસિકતાના સપના વારંવાર નિષ્ફળ થયા.

જ્યારે ઉમાએ રાયગઢના કરંજડેમાં મહિલા ઉદ્યમિતા વિકાસ કાર્યક્રમ (ઉઈડૈં)માં પ્રવેશ મેળવ્યો, તે માત્ર એક પ્રશિક્ષણ સત્ર ન હતું .પરંતુ તે પરિવર્તનશીલ સ્થળ તરફ આગળ વધી હતી ,જેણે તેના સપનાઓને સક્રિય યોજનાઓમાં પરિવર્તિત કર્યા.

લક્ષિત માર્ગદર્શન અને વ્યવહારિક તાલીમની સાથે, ઉમાએ કૌશલ્ય કરતાં વધુ મેળવ્યું - તેણીએ આત્મવિશ્વાસ મેળવ્યો.તેમનું ઉદ્યોગ સાહસ 'ન્યુટ્રિલોક પ્રીમિક્સ' જે ડિહાઈડ્રેટેડ શાકભાજી અને ફળોના ઉત્પાદોમાં કામ કરે છે. ૧૩ લાખ રૂપિયાનું શરૂઆતી રોકાણ પછી તેઓ હવે ૫૦,૦૦૦ રૂપિયાની માસિક આવક મેળવી રહ્યા છે. અને ભવિષ્યમાં વ્યવસાયને આગળ ધપાવવાની યોજના પણ બનાવી રહ્યા છે.

ઉમાની વાર્તા પ્રતીકાત્મક છે - આ પ્રોજેક્ટ ઉદયાના સિદ્ધાંતનો પુરાવો છે કે યોગ્ય સમર્થન સાથે, કોઈપણ સ્વપ્ન સાકાર કરી શકાય છે.

પ્રોજેક્ટ ઉદયાની ખાસિયત તેના વ્યાપક અભિગમમાં રહેલી છે. તાલીમ એ માત્ર શરૂઆત છે. આ પ્રોજેક્ટ સહભાગીઓને જરૂરી સહયોગ પ્રદાન કરે છે, જેમાં સામેલ છે: માર્ગદર્શક કાર્યક્રમો, સરકારી ભંડોળ યોજનાઓ સુધી પહોંચ (સ્ઈૅ અને ઝસ્ઈૅ), ⊭૨⊭ વર્કશોપ તક, "સ્વયંસિદ્ધ" જેવા પ્રદર્શન પ્લેટફોર્મ.

રાયગઢમાં સ્વયંસિદ્ધ પ્રદર્શની આ અભિગમનું ઉદાહરણ છે. આ પ્રદર્શનીમાં ૯૬ મહિલા સાહસિકોના ઉત્પાદનોનું પ્રદર્શન કરવામાં આવ્યું, આ પ્રદર્શનીમાં ૧૦૦,૦૦૦ થી વધુ મુલાકાતીઓએ મુલાકાત લીધી અને દરેક પ્રતિભાગીને સરેરાશ ૨૦,૫૦૦ રૂપિયાની આવક થઈ.

PUBLICATION NAME : Tapobhumi Gujarat

EDITION : Ahmedabad

DATE : Jan 10, 2025

PAGE : Pg 02

# EDII દ્વારા પ્રોજેક્ટ ઉદયા : ઉદ્યોગસાહસિકતાના સપનાને કરી રહી છે સાકાર

પુણે, રાયગઢ અને રત્નાગીરી જિલ્લાઓમાં નોંધપાત્ર પરિવર્તન થઈ રહ્યા છે. આંત્રપ્રિન્યોરશિપ ડેવલપમેન્ટ ઈન્સ્ટિટ્યૂટ ઑફ ઈન્ડિયા (**EDII**) ની આગેવાની હેઠળ અને ટાટા કોમ્યુનિકેશન્સ લિમિટેડ દ્વારા સમર્થિત પ્રોજેક્ટ ઉદયા હાંસિયામાં ધકેલાય ગયેલી મહિલાઓ, દિવ્યાંગ વ્યક્તિઓ (**PwDs**) અને સમાજના નબળા વર્ગોને સ્વતંત્ર ઉદ્યોગસાહસિક બનાવવા માટે સાધનો પુરા પાડી રહ્યું છે. પ્રોજેક્ટ ઉદયાની શરૂઆત મૂળભૂત સિદ્ધાંત સાથે કરવામાં આવી હતી.

ઉદ્યોગસાહસિકતા એક વિશેષાધિકાર નથી પણ મૂળભૂત અધિકાર છે. સશક્તિકરણની હદ તાલીમથી વધીને છે-આ વિચારને ધ્યાનમાં રાખીને આ પ્રોજેક્ટ શરુ કરવામાં આવ્યો જે વ્યક્તિગત ક્ષમતાને પ્રોત્સાહિત કરીને પડકારોનું સમાધાન કરે છે. આ યાત્રાની શરૂઆત સાહસિકતા જાગૃતિ શિબિરોથી શરૂ થઈ - એક દિવસીય અનુભવો જે માહિતી કરતાં વધુ પ્રદાન છે; તેઓ પ્રેરણા આપે છે. આ શિબિરો કાળજીપૂર્વક તૈયાર કરાય છે જ્યાં નિષ્ક્રિય સપનાને જાગૃત કરાય છે. સહભાગીઓને વ્યવસાયિક તકો અને સરકારી સહાયક યોજનાઓથી પરિચિત કરાવીને, પ્રોજેક્ટ ઉદયા અમૂર્ત શક્યતાઓને મૂર્ત માર્ગોમાં પરિવર્તિત કરે છે. શરૂઆતથી લઈ અત્યાર સુધી આ શિબિરો ૫,૯૧૫ મહિલાઓ અને દિવ્યાંગો સુધી પહોંચી ચૂકી છે, દરેક સત્ર વર્તમાન મર્યાદાઓને પડકારવા અને ક્ષિતિજને વિસ્તૃત કરવા માટે કાળજીપૂર્વક તૈયાર કરાય છે, જેને પુણે, રાયગઢ અને રત્નાગિરી જિલ્લામાં ૧૦,૦૦૦થી વધુ લોકોના જીવનને પ્રભાવિત કર્યા છે.

**PUBLICATION NAME** : **The Venus Times**

EDITION : Ahmedabad

DATE : Jan 10, 2025

PAGE : Pg 04

# EDII દ્વારા પ્રોજેક્ટ ઉદયા : ઉદ્યોગ સાહસિકતાના સપનાને કરી

**ધ વીનસ ટાઇમ્સ, અમદાવાદ, તા.૦૯**

પુણે, રાયગઢ અને રત્નાગીરી જિલ્લાઓમાં નોંધપાત્ર પરિવર્તન થઈ રહ્યા છે. આંત્રપ્રિન્યોરશિપ ડેવલપમેન્ટ ઇન્સ્ટિટ્યૂટ ઓફ ઇન્ડિયા (EDII) ની આગેવાની હેઠળ અને ટાટા કોમ્યુનિકેશન્સ લિમિટેડ દ્વારા સમર્થિત પ્રોજેક્ટ ઉદયા હાંસિયામાં ધકેલાય ગયેલી મહિલાઓ, દિવ્યાંગ વ્યક્તિઓ અને સમાજના નબળા વર્ગોને સ્વતંત્ર ઉદ્યોગસાહસિક બનાવવા માટે સાધનો પુરા પાડી રહ્યું છે. પ્રોજેક્ટ ઉદયાની શરૂઆત મૂળભૂત સિદ્ધાંત સાથે કરવામાં આવી હતી. ઉદ્યોગસાહસિકતા એક વિશેષાધિકાર નથી પણ મૂળભૂત અધિકાર છે. સશક્તિકરણની હદ તાલીમથી વધીને છે-આ વિચારને ધ્યાનમાં રાખીને આ પ્રોજેક્ટ શરુ કરવામાં આવ્યો જે વ્યક્તિગત ક્ષમતાને પ્રોત્સાહિત કરીને પડકારોનું સમાધાન કરે છે. આ યાત્રાની શરૂઆત સાહસિકતા જાગૃતિ શિબિરોથી શરૂ થઈ—એક દિવસીય અનુભવો જે માહિતી કરતાં વધુ પ્રદાન છે; તેઓ પ્રેરણા આપે છે. આ શિબિરો કાળજીપૂર્વક તૈયાર કરાય છે જ્યાં નિષ્ક્રિય સપનાને જાગૃત કરાય છે. સહભાગીઓને વ્યવસાયિક તકો અને સરકારી સહાયક યોજનાઓથી પરિચિત કરાવીને, પ્રોજેક્ટ ઉદયા અમૂર્ત શક્યતાઓને મૂર્ત માર્ગોમાં પરિવર્તિત કરે છે. શરૂઆતથી લઈ અત્યાર સુધી આ શિબિરો ૫,૯૧૫ મહિલાઓ અને દિવ્યાંગો સુધી પહોંચી ચૂકી છે, દરેક સત્ર વર્તમાન મર્યાદાઓને પડકારવા અને ક્ષિતિજને વિસ્તૃત કરવા માટે કાળજીપૂર્વક તૈયાર કરાય છે, જેને પુણે, રાયગઢ અને રત્નાગિરી જિલ્લામાં ૧૦,૦૦૦થી વધુ લોકોનાજીવનને પ્રભાવિત કર્યા છે. આ આધાર પર નિર્મિત પ્રોજેક્ટ ઉદયા સહભાગીઓનેવુમન એન્ટરપ્રેન્યોરશિપ ડેવલપમેન્ટ પ્રોગ્રામ્સ સાથે જોડે છે - તાલીમ સત્ર જે ઉદ્યોગસાહસિકની આકાંક્ષાઓને કાર્યક્ષમ કૌશલ્યોમાં રૂપાંતરિત કરવા માટે તૈયાર કરવામાં આવ્યા છે. હેઠળ ૧,૪૦૦ થી વધુ મહિલાઓને તાલીમ આપવામાં આવી છે, જેનાથી તેમને વ્યવસાયિક વાતાવરણની સમજ, તકોનું મૂલ્યાંકન કરવા અને સફળ સાહસો સ્થાપિત કરવા માટે જ્ઞાન પ્રાપ્ત થાય છે. આ કાર્યક્રમ પ્રાયોગિક શિક્ષણ પર ભાર મૂકે છે, જેમાં તકોની ઓળખ, નાણાકીય વ્યવસ્થાપન, માર્કેટિંગ વ્યૂહરચના અને ઉદ્યોગસાહસિક સ્થિતિસ્થાપકતા જેવા ક્ષેત્રોને આવરી લેવામાં આવે છે.

| | | |
|---|---|---|
| PUBLICATION NAME | : | Suryakal |
| EDITION | : | Ahmedabad |
| DATE | : | Jan 11, 2025 |
| PAGE | : | Pg 02 |

# EDII દ્વારા પ્રોજેક્ટ ઉદયા : ઉદ્યોગ સાહસિકતાના સપનાને કરી રહી છે સાકાર

પુણે, શનિવાર

પુણે, રાયગઢ અને રત્નાગીરી જિલ્લાઓમાં નોંધપાત્ર પરિવર્તન થઈ રહ્યા છે. આંત્રપ્રિન્યોરશિપ ડેવલપમેન્ટ ઈન્સ્ટિટ્યૂટ ઓફ ઈન્ડિયા (EDII) ની આગેવાની હેઠળ અને ટાટા કોમ્યુનિકેશન્સ લિમિટેડ દ્વારા સમર્થિત પ્રોજેક્ટ ઉદયા હાંસિયામાં ધકેલાય ગયેલી મહિલાઓ, દિવ્યાંગ વ્યક્તિઓ (PwDs) અને સમાજના નબળા વર્ગોને સ્વતંત્ર ઉદ્યોગસાહસિક બનાવવા માટે સાધનો પુરા પાડી રહ્યું છે.

પ્રોજેક્ટ ઉદયાની શરૂઆત મૂળભૂત સિદ્ધાંત સાથે કરવામાં આવી હતી. ઉદ્યોગસાહસિકતા એક વિશેષાધિકાર નથી પણ મૂળભૂત અધિકાર છે. સશક્તિકરણની હદ તાલીમથી વધીને છે-આ વિચારને ધ્યાનમાં રાખીને આ પ્રોજેક્ટ શરુ કરવામાં આવ્યો જે વ્યક્તિગત ક્ષમતાને પ્રોત્સાહિત કરીને પડકારોનું સમાધાન કરે છે.

આ યાત્રાની શરૂઆત સાહસિકતા જાગૃતિ શિબિરોથી શરૂ થઈ—એક દિવસીય અનુભવો જે માહિતી કરતાં વધુ પ્રદાન છે; તેઓ પ્રેરણા આપે છે. આ શિબિરો કાળજીપૂર્વક તૈયાર કરાય છે જ્યાં નિષ્ક્રિય સપનાને જાગૃત કરાય છે. સહભાગીઓને વ્યવસાયિક તકો અને સરકારી સહાયક યોજનાઓથી પરિચિત કરાવીને, પ્રોજેક્ટ ઉદયા અમૂર્ત શક્યતાઓને મૂર્ત માર્ગોમાં પરિવર્તિત કરે છે. શરૂઆતથી લઈ અત્યાર સુધી આ શિબિરો ૫,૯૧૫ મહિલાઓ અને દિવ્યાંગો સુધી પહોંચી ચૂકી છે, દરેક સત્ર વર્તમાન મર્યાદાઓને પડકારવા અને ક્ષિતિજને વિસ્તૃત કરવા માટે કાળજીપૂર્વક તૈયાર કરાય છે, જેને પુણે, રાયગઢ અને રત્નાગિરી જિલ્લામાં ૧૦,૦૦૦થી વધુ લોકોના જીવનને પ્રભાવિત કર્યા છે.

આ આધાર પર નિર્મિત પ્રોજેક્ટ ઉદયા સહભાગીઓને વુમન એન્ટરપ્રેન્યોરશિપ ડેવલપમેન્ટ પ્રોગ્રામ્સ (WEDPs) સાથે જોડે છે - તાલીમ સત્ર જે ઉદ્યોગસાહસિકની આકાંક્ષાઓને કાર્યક્ષમ કૌશલ્યોમાં રૂપાંતરિત કરવા માટે તૈયાર કરવામાં આવ્યા છે. WEDPs હેઠળ ૧,૪૦૦ થી વધુ મહિલાઓને તાલીમ આપવામાં આવી છે, જેનાથી તેમને વ્યવસાયિક વાતાવરણની સમજ, તકોનું મૂલ્યાંકન કરવા અને સફળ સાહસો સ્થાપિત કરવા માટે જ્ઞાન પ્રાપ્ત થાય છે. આ કાર્યક્રમ પ્રાયોગિક શિક્ષણ પર ભાર મૂકે છે, જેમાં તકોની ઓળખ, નાણાકીય વ્યવસ્થાપન, માર્કેટિંગ વ્યૂહરચના અને ઉદ્યોગસાહસિક સ્થિતિસ્થાપકતા જેવા ક્ષેત્રોને આવરી લેવામાં આવે છે. પ્રોજેક્ટ ઉદયાની અસરને સાચા અર્થમાં સમજવા માટે, આપણે આંકડાઓમાંથી બહાર આવીને વ્યક્તિગત વાર્તાઓ પર ધ્યાન કેન્દ્રિત કરવાની જરૂર છે. ઉમા - ઉચ્ચ શાળા સ્નાતક. જેના ઉદ્યોગસાહસિકતાના સપના વારંવાર નિષ્ફળ થયા.

| | | |
|---|---|---|
| PUBLICATION NAME | : | Prabhat |
| EDITION | : | Ahmedabad |
| DATE | : | Jan 13, 2025 |
| PAGE | : | Pg 03 |

# EDII દ્વારા પ્રોજેક્ટ ઉદયા : ઉદ્યોગસાહસિકતાના સપનાને કરી રહી છે સાકાર

પુણે, રાયગઢ અને રત્નાગીરી જિલ્લાઓમાં નોંધપાત્ર પરિવર્તન થઈ રહ્યા છે. આંત્રપ્રિન્યોરશિપ ડેવલપમેન્ટ ઇન્સ્ટિટ્યૂટ ઓફ ઇન્ડિયા (EDII) ની આગેવાની હેઠળ અને ટાટા કોમ્યુનિકેશન્સ લિમિટેડ દ્વારા સમર્થિત પ્રોજેક્ટ ઉદયા હાંસિયામાં ધકેલાય ગયેલી મહિલાઓ, દિવ્યાંગ વ્યક્તિઓ (PwDs) અને સમાજના નબળા વર્ગોને સ્વતંત્ર ઉદ્યોગસાહસિક બનાવવા માટે સાધનો પુરા પાડી રહ્યું છે.

પ્રોજેક્ટ ઉદયાની શરૂઆત મૂળભૂત સિદ્ધાંત સાથે કરવામાં આવી હતી. ઉદ્યોગસાહસિકતા એક વિશેષાધિકાર નથી પણ મૂળભૂત અધિકાર છે. સશક્તિકરણની હદ તાલીમથી વધીને છે-આ વિચારને ધ્યાનમાં રાખીને આ પ્રોજેક્ટ શરુ કરવામાં આવ્યો જે વ્યક્તિગત ક્ષમતાને પ્રોત્સાહિત કરીને પડકારોનું સમાધાન કરે છે.

આ યાત્રાની શરૂઆત સાહસિકતા જાગૃતિ શિબિરોથી શરૂ થઇ—એક દિવસીય અનુભવો જે માહિતી કરતાં વધુ પ્રદાન છે; તેઓ પ્રેરણા આપે છે. આ શિબિરો કાળજીપૂર્વક તૈયાર કરાય છે જ્યાં નિષ્ક્રિય સપનાને જાગૃત કરાય છે. સહભાગીઓને વ્યવસાયિક તકો અને સરકારી સહાયક યોજનાઓથી પરિચિત કરાવીને, પ્રોજેક્ટ ઉદયા અમૂર્ત શક્યતાઓને મૂર્ત માર્ગોમાં પરિવર્તિત કરે છે. શરૂઆતથી લઇ અત્યાર સુધી આ શિબિરો ૫,૯૧૫ મહિલાઓ અને દિવ્યાંગો સુધી પહોંચી ચૂકી છે, દરેક સત્ર વર્તમાન મર્યાદાઓને પડકારવા અને ક્ષિતિજને વિસ્તૃત કરવા માટે કાળજીપૂર્વક તૈયાર કરાય છે, જેને પુણે, રાયગઢ અને રત્નાગિરી જિલ્લામાં ૧૦,૦૦૦થી વધુ લોકોના જીવનને પ્રભાવિત કર્યા છે.

આ આધાર પર નિર્મિત પ્રોજેક્ટ ઉદયા સહભાગીઓને વુમન એન્ટરપ્રેન્યોરશિપ ડેવલપમેન્ટ પ્રોગ્રામ્સ (WEDPs) સાથે જોડે છે - તાલીમ સત્ર જે ઉદ્યોગસાહસિકની આકાંક્ષાઓને કાર્યક્ષમ કૌશલ્યોમાં રૂપાંતરિત કરવા માટે તૈયાર કરવામાં આવ્યા છે. ઉઈહૅજ હેઠળ ૧,૪૦૦ થી વધુ મહિલાઓને તાલીમ આપવામાં આવી છે, જેનાથી તેમને વ્યવસાયિક વાતાવરણની સમજ, તકોનું મૂલ્યાંકન કરવા અને સફળ સાહસો સ્થાપિત કરવા માટે જ્ઞાન પ્રાપ્ત થાય છે. આ કાર્યક્રમ પ્રાયોગિક શિક્ષણ પર ભાર મૂકે છે, જેમાં તકોની ઓળખ, નાણાકીય વ્યવસ્થાપન, માર્કેટિંગ વ્યૂહરચના અને ઉદ્યોગસાહસિક સ્થિતિસ્થાપકતા જેવા ક્ષેત્રોને આવરી લેવામાં આવે છે.

પ્રોજેક્ટ ઉદયાની અસરને સાચા અર્થમાં સમજવા માટે, આપણે આંકડાઓમાંથી બહાર આવીને વ્યક્તિગત વાર્તાઓ પર ધ્યાન કેન્દ્રિત કરવાની જરૂર છે. ઉમા - ઉચ્ચ શાળા સ્નાતક. જેના ઉદ્યોગસાહસિકતાના સપના વારંવાર નિષ્ફળ થયા.

જ્યારે ઉમાએ રાયગઢના કરંજડેમાં મહિલા ઉદ્યમિતા વિકાસ કાર્યક્રમ (WEDP)માં પ્રવેશ મેળવ્યો, તે માત્ર એક પ્રશિક્ષણ સત્ર ન હતું .પરંતુ તે પરિવર્તનશીલ સ્થળ તરફ આગળ વધી હતી ,જેણે તેના સપનાઓને સક્રિય યોજનાઓમાં પરિવર્તિત કર્યા.

લક્ષિત માર્ગદર્શન અને વ્યવહારિક તાલીમની સાથે, ઉમાએ કૌશલ્ય કરતાં વધુ મેળવ્યું - તેણીએ આત્મવિશ્વાસ મેળવ્યો.તેમનું ઉદ્યોગ સાહસ 'ન્યુટ્રિલોક પ્રીમિક્સ' જે ડિહાઈડ્રેટેડ શાકભાજી અને ફળોના ઉત્પાદોમાં કામ કરે છે. ૧૩ લાખ રૂપિયાનું શરૂઆતી રોકાણ પછી તેઓ હવે ૫૦,૦૦૦ રૂપિયાની માસિક આવક મેળવી રહ્યા છે. અને ભવિષ્યમાં વ્યવસાયને આગળ ધપાવવાની યોજના પણ બનાવી રહ્યા છે.

ઉમાની વાર્તા પ્રતીકાત્મક છે - આ પ્રોજેક્ટ ઉદયાના સિદ્ધાંતનો પુરાવો છે કે યોગ્ય સમર્થન સાથે, કોઈપણ સ્વપ્ન સાકાર કરી શકાય છે.

પ્રોજેક્ટ ઉદયાની ખાસિયત તેના વ્યાપક અભિગમમાં રહેલી છે. તાલીમ એ માત્ર શરૂઆત છે. આ પ્રોજેક્ટ સહભાગીઓને જરૂરી સહયોગ પ્રદાન કરે છે, જેમાં સામેલ છેઃ માર્ગદર્શક કાર્યક્રમો, સરકારી ભંડોળ યોજનાઓ સુધી પહોંચ (PMEGP y™u CMEGP), B2B વર્કશોપ તક, "સ્વયંસિદ્ધ" જેવા પ્રદર્શન પ્લેટફોર્મ.

રાયગઢમાં સ્વયંસિદ્ધ પ્રદર્શની આ અભિગમનું ઉદાહરણ છે. આ પ્રદર્શનીમાં ૯૬ મહિલા સાહસિકોના ઉત્પાદનોનું પ્રદર્શન કરવામાં આવ્યું, આ પ્રદર્શનીમાં ૧૦૦,૦૦૦ થી વધુ મુલાકાતીઓએ મુલાકાત લીધી અને દરેક પ્રતિભાગીને સરેરાશ ૨૦,૫૦૦ રૂપિયાની આવક થઇ.

પ્રોજેક્ટની સિદ્ધિઓમાં શામેલ છે : ૬૦૦થી વધુ માઈક્રો એન્ટરપ્રાઈઝની સ્થાપના, જેનાથી આત્મનિર્ભરતા માટે માર્ગો બનાવ્યા; ૮૦૦થી વધુ નોકરીઓની તક ઉત્પન્ન થઇ, જેનો ફાયદો સ્થાનિક અર્થવ્યવસ્થાને થાય છે; ૮૬% લાભાર્થીઓના જીવનધોરણમાં સુધારો થયો છે જે પ્રોજેક્ટના પરિવર્તનકારી પરિણામો સામે આવ્યા. ઉદ્યોગ સાહસિકોની સરેરાશ માસિક આવક ૧૦,૦૦૦ રૂપિયાથી ઉપર થઇ, જેમાં પ્રતિ યુનિટ સરેરાશ રોકાણ ૧ લાખ રૂપિયાથી વધુ ગયું; અગાઉ ૧૦૦થી વધુ બિન-કમાણી પરિવારના સભ્યો હવે ઘરની આવકમાં ફાળો આપે છે. ઉલ્લેખનીય વાત એ છે કે અફરમેટિવ એક્શન કમ્યુનિટીઝ (SC/ST મહિલાઓ)થી ૭૦% લાભાર્થીઓની આર્થિક સમસ્યાઓનો નિકાલ આવ્યા છે.

એમ્બેસેડર પ્રોગ્રામ્સ નવીન ગુણાકાર વ્યૂહરચના રજૂ કરે છે. ૬૫ મહિલા ઉદ્યોગસાહસિકોને અદ્યતન તાલીમ આપીને, પ્રોજેક્ટ ઉદયાએ એક નેટવર્ક તૈયાર કર્યું છે, જે તેમના સમુદાયોમાં ૩,૦૦૦ થી વધુ મહિલાઓને પ્રેરણા આપવા અને એકત્ર કરવા સક્ષમ છે.

પ્રોજેક્ટ ઉદયા તેના ત્રીજા તબક્કામાં પ્રવેશ કર્યો છે આ પહેલ વ્યૂહાત્મક પ્રાથમિકતાઓ સાથે વિસ્તરી રહી છેઃ જેમાં ભૌગોલિક વિસ્તરણઃ આસામ અને મેઘાલયના પૂર્વોત્તર રાજ્યો, ગ્રામીણ ઇન્ક્યુબેશન કેન્દ્રો મહારાષ્ટ્ર અને ઉત્તર પૂર્વ પ્રદેશમાં ગ્રીન એન્ટરપ્રાઇઝ પર ધ્યાન કેન્દ્રિત કરે છે, પ્રોજેક્ટ ઉદયાના લાભાર્થીઓ માટે એક સમર્પિત ઈ-કોમર્સ પ્લેટફોર્મ, વિકલાંગ વ્યક્તિઓના સમાવેશ પર વધુ ધ્યાન કેન્દ્રિત કરવામાં આવ્યું છે.

પ્રોજેક્ટ ઉદયા પરંપરાગત વિકાસ મોડલથી અલગ છે.તે આર્થિક સ્વતંત્રતા દ્વારા સામાજિક સ્તરે સમાનતાને પ્રોત્સાહન આપે છે. ઉદ્યોગ સાહસિકોને તૈયાર કરીને, સામાજિક માળખામાં પરિવર્તન લાવે છે. આ એક એવું આંદલોન છે કે જે હાંસિયામાં રહેલા લોકોની સમસ્યાને તકમાં પરિવર્તિત કરે છે, અને વ્યક્તિગત ક્ષમતા સામૂહિક પ્રગતિ બની જાય છે.

PUBLICATION NAME : Sandesh

EDITION : Ahmedabad

DATE : Jan 12, 2025

**PAGE : 04**

સંદેશ City Life

Date : 12.01.2025 Page : 04

# દિવ્યાંગ મહિલાઓ બની 'પગભર': EDIIએ મહિલાઓને તાલીમ આપી આંત્રપ્રિન્યોર બનાવી

## દિવ્યાંગ મહિલાઓ બની 'પગભર': EDIIએ ૫,૯૧૫ પેટા: પ્રોજેક્ટ ઉદયા હેઠળ EDII એ પૂણે, રાયગઢ અને રત્નાગિરિ જિલ્લામાં ૧૦,૦૦૦થી વધુ લોકોને તાલીમ આપી બનાવી

સિટી લાઇફ । આંત્રપ્રિન્યોરશિપ ડેવલપમેન્ટ ઇન્સ્ટિટ્યૂટ ઓફ ઇન્ડિયા (EDII) દ્વારા દિવ્યાંગો અને સમાજના નબળા લોકો પણ આર્થિક રીતે પગભર બને તે માટે ટાટા કોમ્યુનિકેશન્સ લિમિટેડ દ્વારા સમર્થિત પ્રોજેક્ટ ઉદયા થકી પૂણે, રાયગઢ અને રત્નાગિરિ જિલ્લામાં તાલીમ શિબિરોનું આયોજન કર્યું હતું. જેના પરિણામ સ્વરૂપ આજે તાલીમ બાદ ૫,૯૧૫ દિવ્યાંગ મહિલાઓ અને ૧૦ હજારથી વધુ લોકો પગભરને કોઈને કોઈ સ્વતંત્ર ઉદ્યોગ શરૂ કરીને સાચા અર્થમાં આત્મનિર્ભર બન્યાં છે. EDIIના એક્સ્પર્ટ દ્વારા ડિઝાઈન કરાયેલા તાલીમ શિબિરોમાં વ્યવસાયિક તકો અને સરકારી સહાયક યોજનાઓથી પરિચિત કરાવવામાં આવે છે. આ સાથે તેમની અંદર રહેલી ક્રિયેટિવિટીને પ્લેટફોર્મ આપી ખીલવામાં આવે છે. WEDPs હેઠળ ૧,૪૦૦થી વધુ મહિલાઓને તાલીમ આપવામાં આવી છે, જેનાથી તેમને વ્યવસાયિક વાતાવરણની સમજ, તકોનું મૂલ્યાંકન કરવા અને સફળ સાહસો સ્થાપિત કરવા માટે જ્ઞાન પ્રાપ્ત થાય છે. આ કાર્યક્રમ પ્રાયોગિક શિક્ષણ પર ભાર મૂકે છે, જેમાં તકોની ઓળખ, નાણાકીય વ્યવસ્થાપન, માર્કેટિંગ વ્યૂહરચના અને ઉદ્યોગસાહસિક સ્થિતિસ્થાપકતા જેવા ક્ષેત્રોને આવરી લેવામાં આવે છે.

### તાલીમ બાદ રાયગઢની મહિલા ઉમાબેન મહિને ૫૦ હજાર કમાય છે

દિવ્યાંગ મહિલાઓ માટે ખાસ ડિઝાઇન કરાયેલા આ તાલીમ શિબિરમાં રાયગઢ જિલ્લાના ઉમાબહેન જોડાયા હતાં. ઉમાએ રાયગઢના કરંજડેમાં મહિલા ઉદ્યમિતા વિકાસ કાર્યક્રમ (WEDP)માં જોડાયને ઉદ્યોગસાહસિકતાના પાઠ શીખ્યા હતાં. જેના પરિણામ સ્વરૂપ આજે ઉમાબહેન ૧૩ લાખના રોકાણ બાદ મહિને ૫૦ હજારની માસિક આવક મેળવી રહ્યા છે અને ભવિષ્યમાં વ્યવસાયને આગળ ધપાવવાની યોજના પણ બનાવી રહ્યા છે. ઉમાબહેન હાલ 'ન્યુટ્રિલોક પ્રીમિક્સ' જે ડિહાઇડ્રેટેડ શાકભાજી અને ફળોના ઉત્પાદોના પ્રોડક્શનનું કામ કરી રહ્યાં છે. તેઓ તાલીમ બાદ હવે મહિને એક લાખની આવક કેવી રીતે મેળવી શકાય તે દિશામાં હાલ પ્રયત્નશીલ છે.

### પ્રોજેક્ટ ઉદયા થકી ૬૦૦થી વધુ માઇક્રો એન્ટરપ્રાઇઝની સ્થાપના થઇ

પ્રોજેક્ટ ઉદયા હેઠળ ૬૦૦થી વધુ માઇક્રો એન્ટરપ્રાઇઝની સ્થાપના થઇ છે. જેનાથી ૮૦૦થી વધુ નૌકરીઓની તક ઉત્પન થઇ છે.જેનો ફાયદો સ્થાનિક અર્થવ્યવસ્થાને થઇને ૮૬% લાભાર્થીઓના જીવનધોરણમાં સુધારો થયો છે જે પ્રોજેક્ટના પરિવર્તનકારી પરિણામો સામે આવ્યા છે. ઉદ્યોગ સાહસિકોની સરેરાશ માસિક આવક ૧૦,૦૦૦ રૂપિયાથી ઉપર થઇ, જેમાં પ્રતિ યુનિટ સરેરાશ રોકાણ ૧ લાખ રૂપિયાથી વધુ ગયું, અગાઉ ૧૦૦થી વધુ બિન-કમાણી પરિવારના સભ્યો હવે ઘરની આવકમાં ફાળો આપે છે. ઉલ્લેખનીય વાત એ છે કે અફરમેટિવ એક્શન કમ્યુનિટીઝ (SC/ST મહિલાઓ)થી ૭૦% લાભાર્થીઓની આર્થિક સમસ્યાઓનો નિકાલ આવ્યા છે.